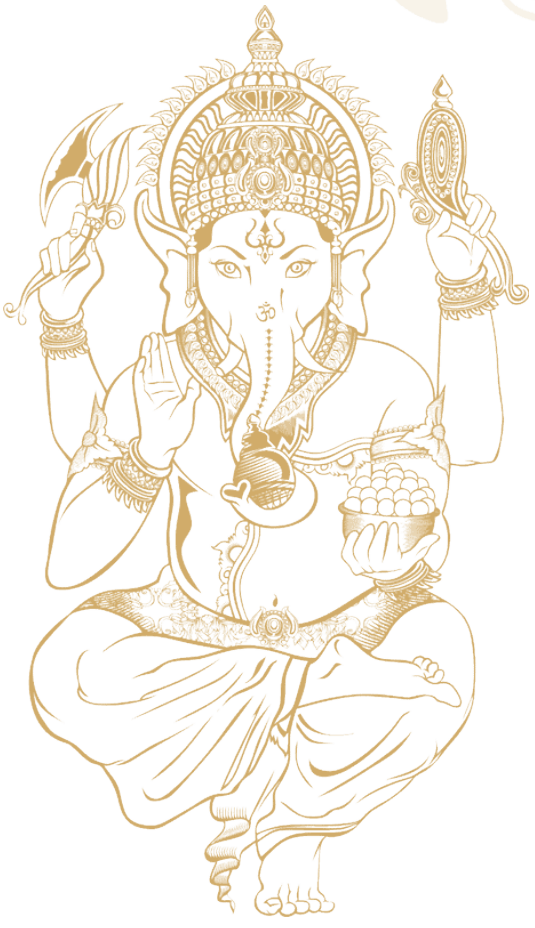

harsh jha

23 Sep 2004

10:00 AM

Mumbai

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121598002

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
23/09/2004	जन्म तिथि	**23-24/09/2026**
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	01:15:08 घंटे
घटी 08:50:16	जन्म समय(घटी)	46:58:15 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Mumbai
उत्तर 18:58:00	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
पूर्व 72:50:00	रेखांश	72:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:53	सूर्योदय	06:27:49
18:34:37	सूर्यास्त	18:34:01
23:55:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:58

तुला	लग्न	मिथुन
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
धनु	राशि	कुम्भ
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	धनिष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	3
शोभन	योग	धृति
तैतिल	करण	कौलव
भे-भैरव	जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
नकुल	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मार्जार
22	गत/तत्कालिक वर्ष	23

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	2	25:01:38	तुला			लग्न			मिथु	24:05:14	2	पुनर्वसु
उ०फाल्गुनी	3	06:34:08	कन्या			सूर्य			कन्या	06:34:08	3	उ०फाल्गुनी
उत्तराषाढ़ा	1	26:46:38	धनु			चंद्र			कुंभ	01:44:07	3	धनिष्ठा
उ०फाल्गुनी	3	04:00:59	कन्या		अ	मंगल			कर्क	03:13:24	4	पुनर्वसु
पू०फाल्गुनी	4	26:10:50	सिंह			बुध			कन्या	26:26:39	1	चित्रा
उ०फाल्गुनी	3	05:39:25	कन्या		अ	गुरु			कर्क	24:02:21	3	आश्लेषा
आश्लेषा	3	24:00:58	कर्क			शुक्र			तुला	12:37:19	2	स्वाति
पुनर्वसु	4	01:31:51	कर्क			शनि	व		मीन	17:54:05	1	रेवती
अश्विनी	3	08:39:10	मेष	व		राहु			कुंभ	05:22:34	4	धनिष्ठा
स्वाति	1	08:39:10	तुला	व		केतु			सिंह	05:22:34	2	मघा
शतभिषा	1	09:53:24	कुंभ	व		मु		अ	सिंह	25:01:38	4	पू०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:58

लग्न-चलित

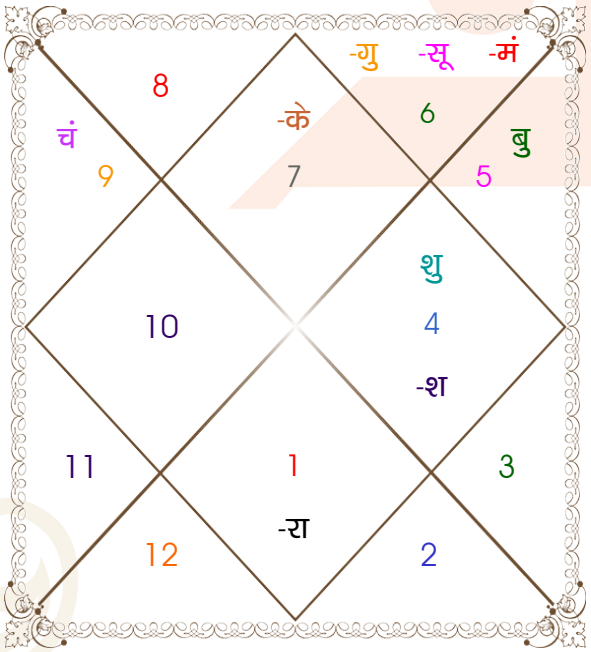

वर्ष लग्न कुंडली

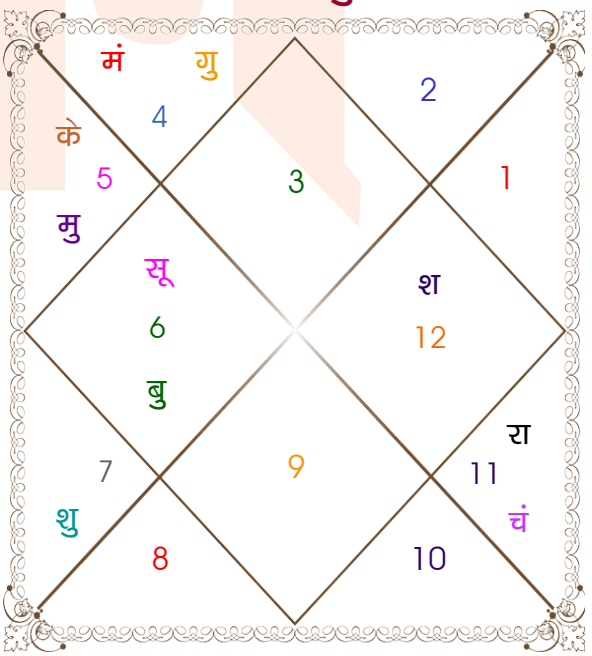

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - शुक्र - गुरु	
04/03/2026 13:36	
30/04/2026 09:12	
गुरु	12/03/2026 03:24
शनि	21/03/2026 03:19
बुध	29/03/2026 04:29
केतु	01/04/2026 12:02
शुक्र	10/04/2026 23:18
सूर्य	13/04/2026 19:29
चंद्र	18/04/2026 13:07
मंगल	21/04/2026 20:39
राहु	30/04/2026 09:12

मंगल - शुक्र - शनि	
30/04/2026 09:12	
06/07/2026 20:28	
शनि	11/05/2026 01:35
बुध	20/05/2026 14:59
केतु	24/05/2026 13:26
शुक्र	04/06/2026 19:19
सूर्य	08/06/2026 04:17
चंद्र	13/06/2026 19:13
मंगल	17/06/2026 17:41
राहु	27/06/2026 20:34
गुरु	06/07/2026 20:28

मंगल - शुक्र - बुध	
06/07/2026 20:28	
05/09/2026 05:18	
बुध	15/07/2026 09:43
केतु	18/07/2026 22:14
शुक्र	28/07/2026 23:42
सूर्य	01/08/2026 00:09
चंद्र	06/08/2026 00:53
मंगल	09/08/2026 13:24
राहु	18/08/2026 14:43
गुरु	26/08/2026 15:54
शनि	05/09/2026 05:18

मंगल - शुक्र - केतु	
05/09/2026 05:18	
30/09/2026 01:52	
केतु	06/09/2026 16:06
शुक्र	10/09/2026 19:31
सूर्य	12/09/2026 01:21
चंद्र	14/09/2026 03:04
मंगल	15/09/2026 13:52
राहु	19/09/2026 07:21
गुरु	22/09/2026 14:54
शनि	26/09/2026 13:21
बुध	30/09/2026 01:52

मंगल - सूर्य - सूर्य	
30/09/2026 01:52	
06/10/2026 11:16	
सूर्य	30/09/2026 09:32
चंद्र	30/09/2026 22:19
मंगल	01/10/2026 07:16
राहु	02/10/2026 06:17
गुरु	03/10/2026 02:44
शनि	04/10/2026 03:02
बुध	05/10/2026 00:46
केतु	05/10/2026 09:42
शुक्र	06/10/2026 11:16

मंगल - सूर्य - चंद्र	
06/10/2026 11:16	
17/10/2026 02:57	
चंद्र	07/10/2026 08:35
मंगल	07/10/2026 23:30
राहु	09/10/2026 13:51
गुरु	10/10/2026 23:56
शनि	12/10/2026 16:25
बुध	14/10/2026 04:38
केतु	14/10/2026 19:33
शुक्र	16/10/2026 14:10
सूर्य	17/10/2026 02:57

मंगल - सूर्य - मंगल	
17/10/2026 02:57	
24/10/2026 13:55	
मंगल	17/10/2026 13:23
राहु	18/10/2026 16:14
गुरु	19/10/2026 16:06
शनि	20/10/2026 20:26
बुध	21/10/2026 21:47
केतु	22/10/2026 08:14
शुक्र	23/10/2026 14:04
सूर्य	23/10/2026 23:00
चंद्र	24/10/2026 13:55

मंगल - सूर्य - राहु	
24/10/2026 13:55	
12/11/2026 18:08	
राहु	27/10/2026 10:57
गुरु	30/10/2026 00:19
शनि	02/11/2026 01:11
बुध	04/11/2026 18:23
केतु	05/11/2026 21:14
शुक्र	09/11/2026 01:56
सूर्य	10/11/2026 00:56
चंद्र	11/11/2026 15:17
मंगल	12/11/2026 18:08

मंगल - सूर्य - गुरु	
12/11/2026 18:08	
29/11/2026 19:13	
गुरु	15/11/2026 00:41
शनि	17/11/2026 17:27
बुध	20/11/2026 03:24
केतु	21/11/2026 03:16
शुक्र	23/11/2026 23:27
सूर्य	24/11/2026 19:54
चंद्र	26/11/2026 06:00
मंगल	27/11/2026 05:51
राहु	29/11/2026 19:13

मंगल - सूर्य - शनि	
29/11/2026 19:13	
20/12/2026 01:00	
शनि	03/12/2026 00:08
बुध	05/12/2026 20:57
केतु	07/12/2026 01:17
शुक्र	10/12/2026 10:15
सूर्य	11/12/2026 10:33
चंद्र	13/12/2026 03:01
मंगल	14/12/2026 07:22
राहु	17/12/2026 08:14
गुरु	20/12/2026 01:00

मंगल - सूर्य - बुध	
20/12/2026 01:00	
07/01/2027 03:39	
बुध	22/12/2026 14:35
केतु	23/12/2026 15:56
शुक्र	26/12/2026 16:22
सूर्य	27/12/2026 14:06
चंद्र	29/12/2026 02:19
मंगल	30/12/2026 03:41
राहु	01/01/2027 20:53
गुरु	04/01/2027 06:50
शनि	07/01/2027 03:39

मंगल - सूर्य - केतु	
07/01/2027 03:39	
14/01/2027 14:37	
केतु	07/01/2027 14:05
शुक्र	08/01/2027 19:55
सूर्य	09/01/2027 04:52
चंद्र	09/01/2027 19:47
मंगल	10/01/2027 06:13
राहु	11/01/2027 09:04
गुरु	12/01/2027 08:56
शनि	13/01/2027 13:16
बुध	14/01/2027 14:37

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।